

— समुद्र, partic. समुद्रस्त erschrocken: गृहा समुद्रस्ता इव भवति ÇAT. Br. 2, 4, 1, 14.

— निस् sich flüchten viell. in der Stelle: अथ त्या अस्थुरनिर्ग्रा घनीवा निरत्रं सत्तमिषोधीरभैषु: RV. 8, 48, 11, wo man निरत्रसन् als urspr. Lesart vermuthen könnte.

— परा caus. verscheuchen: परामित्रान्द्रुभिना सर्वे देवा अतित्रसन् AV. 5, 21, 7.

— परि, partic. परित्रस्त bebend, erschrocken: भय ° HARIV. 10172. विद्रवति परित्रस्ता: R. 3, 54, 7. 2, 63, 27. MBh. 66, 24. VIKR. 7, 14.

— प्र sich aus Angst flüchten: तस्माद्गृहा: प्रत्रसति ÇAT. Br. 2, 4, 1, 14. 4, 9, 1, 5. पराजिता: प्र त्रसतामित्रा नुता धावत् ब्रह्मणा AV. 8, 8, 19.

— caus. verjagen, verscheuchen: (डुन्डुभे) अमित्रान्भि क्रन्त् प्र त्रासय AV. 5, 21, 4. — Vgl. प्रत्रास.

— वि erbeben, erschrecken: तस्य शब्दस्य भूतानि वित्रसत्यशनेरिव MBh. 3, 8668. वित्रस्यति R. 3, 13, 14. वितत्रास 5, 28, 1. MBh. 3, 16128. वितत्रसु: 6, 1648. 7, 3145. Bhāg. P. 7, 8, 17. वित्रेसु: MBh. 1, 8316. 3, 12091. 4, 817. 7, 3143 (वित्रेषु:). R. 2, 103, 41. 4, 13, 47. वित्रस्त erschrocken, in Angst seiend MBh. 1, 3964. 7632. HARIV. 1210. BHART. 1, 8. KATH. 21, 18. Vid. 328. Bhāg. P. 5, 14, 29. अवित्रस्त MBh. 1, 5496. so ist auch st. अन्वत्रस्त 3, 1811 zu lesen. — caus. erschrecken, in Angst setzen M. 7, 196. MBh. 3, 698. 7, 1177. R. 6, 15, 17. 37, 29. वित्रासयेताम् imperf. med. MBh. 3, 13566. वित्रासयितुकाम R. 3, 68, 8. वित्रासयित्वा MBh. 4, 1177. 2013. वित्रास्यमान 3, 13566. RĀGA-TAR. 6, 3. वित्रासित MBh. 3, 2668. 6, 2588. R. 2, 93, 16. 97, 9. 4, 18, 6. 5, 95, 28.

— सम् erzittern, erschrecken: कुरुभ्यः संत्रसिष्यति वज्रपाणेरिवामुरा: MBh. 7, 103. संत्रसु: BHART. 14, 39. संत्रेसु: 37. संत्रस्त erschrocken MBh. 3, 2262. fg. 2550. LĀ. 47, 18. AN. 8, 16. DAÇ. 1, 50. PAÑKĀT. 63, 15. Bhāg. P. 9, 4, 52. — caus. erschrecken, in Angst jagen MBh. 6, 2640. HARIV. 3504. R. 6, 79, 31. ÇĀNTIÇ. 2, 27. BHART. 5, 104. संत्रासित 12, 4. PAÑKĀT. 1, 212.

— अभिसम्, partic. °त्रस्त erschrocken R. GORR. 2, 9, 6.

2. त्रस्, त्रासयति halten (v. l. ergreifen; zurückhalten) Dhātup. 33, 88.

त्रस (von 1. त्रस्) 1) adj. was sich bewegt AK. 3, 2, 23. H. 1454. n. das Bewegliche, das Lebendige, die Thiere, Thiere und Menschen (im Gegens. zu स्यावर; vgl. जगत) MATSOP. 29. MBh. 12, 261. 13, 1713. त्रसयोनय इत्यष्टौ H. 1337. Hier werden Götter, Menschen und Bewohner der Unterwelt zu den त्रस gezählt. Vgl. त्रास. — 2) m. (!) das Herz (das Zitternde) H. ç. 124. — 3) n. Wald TRIK. 2, 4, 1.

त्रसदस्यु (त्रस + दस्यु) vor dem die Unholde zittern, m. N. pr. eines viel genannten freigebigen Fürsten und Schützlings der Götter; er führt das patron. Paurukutsja, Paurukutsi oder Paurukutsa; nach RV. ANUKR. Verfasser von RV. 4, 42. प्र पौरुकुत्सिं त्रसदस्युमावः लेत्रसता वृत्रहृत्पेषु पूरुम् RV. 7, 19, 3. 1, 112, 14. 4, 38, 1. 42, 8. 9. 5, 27, 3. 33, 8. 8, 21. 19, 36. 36, 7. 10, 150, 5. VALAKH. 1, 10. TS. 5, 6, 5, 3. PAÑKĀV. Br. 25, 16. MBh. 2, 319. 3, 8606. fg. 13, 7684. HARIV. 714. 999. VP. 371. In Bhāg. P. 9, 6, 33. fgg. wird त्रसदस्यु mit Māmdhātār identificirt und zum Vater von Purukutsa gemacht. Die Form त्रसदस्यु (त्रसत्, partic. von 1. त्रस्, + द°) ist vielleicht die ursprüngliche und त्रसत् wohl

in transit. Bed. (Unholde verscheuchend) aufzufassen; vgl. जर्मदग्नि, त- रद्वेषस्, भरद्वाज, मन्दयत्सवि u. s. w. — Vgl. त्रासदस्यव.

त्रसन (von 1. त्रस्) n. in कृस्तित्रसनानि KAUC. 14; viell. bewegliche, zitternde Verzierungen am Elephanten.

त्रसर (wie eben) m. = तसर Weberschiff AK. 3, 3, 24. H. 913.

त्रसरेणु (त्रस + रेणु) 1) m. ein feines Staubkörnchen, wie man es in den durch eine Fensteröffnung einfallenden Sonnenstrahlen zittern sieht: जालात्तरगते भानौ यत्सूक्ष्मं दृश्यते रजः। प्रथमं तत्प्रमाणानां त्रसरेणुं प्रचक्षते ॥ M. 8, 132. त्रसरेणवो ऽष्टौ विशेषा लिखित्वा परिमाणतः 133. JĀG. 1, 361. परमाणुद्वयेनाणुस्त्रसरेणुस्तु ते त्रयः BRAHMAVAIV. P. 4, 96, 49 bei AUFR. UGÉVAL. Ind. Bhāg. P. 3, 11, 5. त्रसरेणुत्रिकं भुङ्क्ते यः कालः सा त्रुटिः स्मृता 6. जालात्तरगते सूर्ये करे धंसी विलोक्यते। त्रसरेणुस्तु विशेषस्त्रिंशता परमाणुभिः ॥ VAIDJAKAPAR. im ÇKDR. परमाणुः परं सूक्ष्मं त्रसरेणुर्महीरजः (sic) MĀRK. P. 49, 37. त्रसरेणुप्रमाण adj. HARIV. 960. — 2) f. N. pr. einer der Gemahlinnen des Sonnengottes TRIK. 1, 1, 102.

त्रसु m. N. pr. v. l. für तंसु VP. 448, N. 10.

त्रसुर (von 1. त्रस्) adj. furchtsam UṢĀDIR. im Saṁkṣiptas. ÇKDR.

त्रसुं (wie eben) adj. dass. P. 3, 2, 140. VOP. 26, 145. AK. 3, 1, 26. H. ç. 93. BHART. 6, 7. अत्रसु (s. auch bes.) RAGH. 14, 47.

1. त्रा (त्रा, त्रै), त्रायते Dhātup. 22, 69; त्राँस्व, त्राँधम् ved.; त्राति, त्राहि und त्रातु ep.; तत्रे; त्रास्यते (ep. auch °सि); अत्रास्त; अत्रासताम् ÇAT. Br., त्रासते, त्राँसीयाम् 2. du., त्राँसाथे 2. du. ved.; behüten, beschützen, retten vor (in der älteren Sprache abl. und gen., in der späteren nur abl. P. 1, 4, 25. VOP. 5, 20): त्राधं नो देवा निजुरो वृकस्य RV. 2, 29, 6. 4, 53, 1. 7. 5, 41, 1. 33, 15. 62, 6. 70, 3. स नैत्रासते इरितार्दभिकृतः 1, 128, 5. 8, 27, 17. 30, 3. यं त्रायंथ इर्मिदं देवांसो यं च नयंथ 7, 39, 1. VS. 3, 1, 6, 11. AV. 6, 93, 3. मृत्योरात्मानं त्रायते ÇAT. Br. 2, 2, 4, 7. 5, 5, 4, 12. 12, 7, 4, 14. 14, 1, 1, 23. 8, 45, 7. त्रायमाणं सहैः AV. 6, 4, 1. आ नो देवः संवित्ता त्रायमाणो जगम्यात् 6, 50, 8. auch sonst Beiw. des Savitar (vgl. त्रातर) AV. 8, 1, 15. RV. 7, 33, 10. — नरकायस्मात्त्रायते पितरं पुत्रः M. 9, 138. MBh. 1, 8344. कस्मान्न त्रायसे इःखान्नाम् 2, 2606. 3, 1624. R. 2, 107, 12. त्रायस्वास्मान् MBh. 1, 2064. 3, 2547. Bhāg. 2, 40. R. 1, 62, 14. 2, 7, 29. 3, 50, 22. ÇĀK. 82, 16. RAGH. 2, 53. HIT. 21, 15. Bhāg. P. 3, 6, 31. BHART. 5, 54. पुत्रास्त्रा नरकात्पुत्रो यस्मात्त्राति पितृन्सदा HARIV. 4232. त्राहि MBh. 1, 7633. 3, 2166. BRĀHMAN. 3, 3. R. 1, 43, 22. 60, 18. 2, 107, 10. 14. HIT. 21, 15 (v. l. für त्रायस्व). Bhāg. P. 4, 7, 36. त्रातु MBh. 3, 15931. R. 2, 106, 16. अत्रास्त BHART. 15, 120. मा न त्रास्थाः क्षतो पुरम् 12. त्रास्यते HARIV. 3922. त्रास्यामि MBh. 1, 5954. 3, 443. त्रातुम् 3, 2420. 2614. MATSOP. 6. 8. R. 1, 62, 5. 7. DAÇ. 1, 40. HIT. 21, 12. त्राता Bhāg. P. 2, 7, 9. partic. pass. त्रात und त्राण P. 8, 2, 56. VOP. 26, 98. AK. 3, 2, 55. H. 1497. an. 2, 143. MED. n. 14. Vgl. भवत्रात. — Ursprünglich identisch mit 1. त्रस्.

— परि dass.: परित्रायस्व माम् ÇĀK. 82, 16, v. l. कात्तरि ब्राह्मणाणा- श्च यः परित्राति MBh. 13, 3600. 3161. R. 5, 36, 52. इमो परित्राहि पुरोम् 80, 29. परित्रातु PAÑKĀT. III, 148. परित्रास्ये MBh. 1, 6186. 4, 1080. परि- त्रातुम् 1, 8297. R. 3, 31, 3. pass.: तौ परित्रास्येते DAÇAK. in BENF. Chr. 194, 18. pass. impers.: तत्परित्रायतां तत्परित्रायताम् so v. a. Hülfe! Hülfe! PAÑKĀT. 40, 20. परित्रात partic. R. 6, 6, 10. KATH. 26, 144. Bhāg. P. 1, 16, 15. — Vgl. परित्राण, परित्रातव्य.